वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

रविवार,पौष कृष्ण पक्ष,द्वादशी, कलियुग वर्ष ५१२२ (१० जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

११ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपर जाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-11012021

देव स्तुति

परात्मानमेकं जगद्बीजमाद्यं निरीहं निराकारमोंकारवेद्यम् ।
यतो जायते पाल्यते येन विश्वं तमीशं भजे लीयते यत्र विश्वम् ।।

अर्थ : हे एकमात्र परमात्मा ! जगतके आदिकारण, आप इच्छारहित, निराकार एवं ॐकार स्वरूपवाले हैं। आपको मात्र प्राणद्वारा (ध्यानद्वारा) ही जाना जा सकता है। आपकेद्वारा ही सम्पूर्ण सृष्टिकी उत्पत्ति होती है। आप ही उसका पालन करते हैं तथा अन्ततः उसका आपमें ही लय हो जाता है। हे प्रभु ! मैं आपको भजता हूं।

शास्त्रवचन

हरे हरेति वै नाम्ना शम्भोश्चक्रधरस्य च ।
रक्षिता बहवो मर्त्याः शिवेन परमात्मना ॥

अर्थ : हे हरि-हर ! इस प्रकार भगवान विष्णु और शिवका नाम लेनेसे परमात्मा शिवने अनेकानेक मनुष्योंकी रक्षाकी है ।

****

ते धन्यास्ते महात्मानः कृतकृत्यास्त एव हि ।
द्वयक्षरं नाम येषां वै जिव्हाग्रे संस्थितं सदा ॥
शिव इत्यक्षरं नाम यैरुदीरितमद्य वै ।
ते वै मनुष्य रूपेण रुद्राः स्युर्नात्र संशयः ॥

अर्थ : स्कन्दपुराणके अनुसार नाम महिमा : जिनकी जिह्वाके अग्र भागपर सदा भगवान शंकरका दो अक्षरोंवाला नाम 'शिव' विराजमान रहता है, वे धन्य हैं, वे महात्मा पुरुष हैं तथा वे ही कृतकृत्य हैं । आज भी जिन्होंने अविनाशी 'शिव'का नाम उच्चारण किया है, वे निश्चय ही मनुष्य रूपमें रुद्र हैं; इसमें संशय नहीं है ।

धर्मधारा

१. हिन्दू राष्ट्र आवश्यक क्यों ? (भाग - ४)

भारत जैसी पुण्य भूमिपर प्रतिदिन धर्मद्रोही, राष्ट्रद्रोही और समाजकण्टकोंकी संख्यामें भारी वृद्धि हो रही है, इसे रोकनेमें निधर्मी लोकतन्त्र पूर्णत: असफल रहा है, ऐसे लोगोंपर नियन्त्रण करने हेतु हिन्दू राष्ट्रकी स्थपाना करना अब अपरिहार्य हो गई है ।

२. भैंस एक तमोगुणी प्राणी हैं, अतः उसके दूधका उपयोग पीनेमें या पूजामें न करें !

कुछ दिवस पूर्व आश्रमके पासके ग्रामसे आई एक स्त्रीसे चर्चा हो रही थी। वे कह रही थीं कि वे तो भैंसका दूध ही लेती हैं और उसीसे रुद्राभिषेक भी करती हैं। मैंने कहा, "किन्तु भैंस एक तमोगुणी प्राणी है और असुर अपनी आसुरी शक्ति बढाने हेतु भैंसके दूधसे रुद्राभिषेक करते हैं, हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। हमारे पिताजी हमसे बचपनसे ही कहते थे कि भैंसका दूध पीनेसे शरीर और मन दोनों ही भैंस जैसा स्थूल और तमोगुणी हो जाता है। वे हमें कभी भी भैंसका दूध नहीं पीने देते थे ! आज समाजको सात्त्विकता शब्द पता नहीं है; इसलिए आज तमोगुणी भैंसका पालन सर्वत्र बढ गया ! कुछ विवेकहीन हिन्दू लोगोंको भैंसका दूध पीनेके लाभ भी बताते हैं। मैंने देखा है कि जो लोग भैंसके दूधका अत्यधिक उपयोग करते हैं, उनके मन एवं बुद्धिपर सूक्ष्मसे काला आवरण निर्माण हो जाता है एवं उनका आध्यात्मिक स्तर यदि अच्छा हो तो भी वे साधना नहीं कर पाते हैं। यह तमसका प्रभाव होता है; इसीलिए सात्त्विक आहार लें !

****

३. बच्चियोंको बाल्यकालसे पुरुषोंके वस्त्र क्यों नहीं पहनाना चाहिए ?

इस बार नवरात्रमें निकटके ग्रामसे कुछ कन्याओंको कन्या पूजन हेतु बुलाया था। जब मैं हवनकर कन्या पूजन हेतु कन्याओंके पास गई तो मुझे देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि मात्र दो कन्याओंने लडकियोंवाली वेशभूषा अर्थात फ्रॉक पहना था, शेष सभी कन्याएं लडकोंवाली वेशभूषामें थीं। ये बच्चियां सभी सात वर्षसेअल्प आयुकी थीं अर्थात ऐसी वेशभूषा उनके

माता-पिताने ही उन्हें पहनाई थीं।

एक श्रमिककी एक वर्षकी बिटियाको भी मैंने आमन्त्रित किया था। उसने भी अपनी बच्चीको 'टी-शर्ट' और 'पैंट' पहना रखा था। मैंने उससे कहा, "आपकी बिटियाको कन्या पूजन हेतु लानेके लिए कहा था तो इसे कन्यावाली वेशभूषामें तो लाते !" तो उसने कहा, "हम तो इसे लडकियोंवाले कोई वस्त्र पहनाते ही नहीं हैं।"

हिन्दुओ, नवरात्रके समय यदि आपकी बच्ची कन्या पूजन हेतु जाती हैं तो उन्हें लहंगा चोली पहनाएं, सात्त्विक आभूषणसे उसका शृंगार करें, जिससे पूजा करते समय अधिक प्रमाणमें देवी तत्त्व जाग्रत हो सके। इससे उसका तो कल्याण होगा ही पूजकको भी लाभ मिलेगा।

हिन्दुओंकी विवेकशून्यता अब मात्र महानगरों या नगरोंतक ही नहीं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रोंमें भी पहुंच चुकी है। सभी मूढ समान जो प्रचलनमें होता है, उसका अनुकरण स्वयं भी करते हैं और अपने बच्चोंसे भी करवाते हैं।

तो पालको, अपनी बच्चियोंको बाल्यकालसे पुरुषोंके वस्त्र क्यों नहीं पहनाना चाहिए ? उसका शास्त्र जान लें !

अ. इससे बच्चियोंमें जो देवीकी अप्रकट शक्ति रहती है, वह पुरुषोंके वस्त्र पहनानेसे नष्ट हो जाती है।

आ. देवी तत्त्व घट जानेसे या न्यून हो जानेसे उसपर अनिष्ट शक्तियां सहज ही आक्रमण कर सकती हैं।

इ. पुरुष वस्त्र धारण करनेसे उसके वलयमें सूक्ष्म काला आवरण निर्मित होने लगता है, जिसकारण उसे युवा अवस्था आनेतक अनेक प्रकारके शारीरिक व मानसिक रोग होनेकी आशंका बढ जाती है।

ई. मैंने अपने आध्यात्मिक शोधमें पाया है कि युवा अवस्थाको

प्राप्त लडकियां यदि पुरुषोंके वस्त्र धारण करती हैं तो उन्हें मासिक धर्ममें १००% कष्ट होता है । ऐसी युवतियोंका जब विवाह होता है तो उन्हें या तो गर्भ धारणमें कष्ट होता है या बच्चे जन्म देते समय कष्ट होता है ।

उ. दुःखकी बात यह है कि ऐसा युवतियोंकी कोखमें एक सूक्ष्म काला आवरण तमोगुणी वस्त्र धारण करनेके कारण निर्मित हो जाता है, जिसकारण अनिष्ट शक्तियां गर्भस्थ शिशुको सरलतासे कष्ट दे सकती हैं और इस प्रकार अगली पीढी गर्भसे ही अनिष्ट शक्तियोंसे या तो आवेषित होती है या उन्हें वे तीव्र कष्ट देती हैं ।

इसलिए पालको, यदि आप मात्र दिखावे या आधुनिक बनने हेतु अपनी बच्चियोंको पुरुषोंके वस्त्र पहनाते हैं तो आप एक नहीं दो-दो पीढियोंको कष्टमें रखनेका अपने हाथोंसे नियोजन करते हैं; अतः ऐसा अधर्म करना टालें !

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसङ्ग

वेशभूषासे अभिज्ञान (पहचान)

एक महिलाको तरकारी क्रय करने जाना था । उसने झोला (थैला) लिया और मार्गके किनारे-किनारे उस ओर चल पडी । तभी पीछेसे एक तिपहियावालेने पूछा, 'कहां जाएंगी माताजी ?"

महिलाने कहा, "नहीं भैया, कहीं नहीं !" तो तिपहियावाला आगे निकल गया ।

अगले दिवस महिला अपनी पुत्रीको विद्यालयके वाहनमें बैठाकर घर लौट रही थी, तभी पीछेसे एक तिपहियावालेने पूछा, “बहनजी ! रामचन्द्रनगर जाना है क्या ?"

महिलाने मना कर दिया । पाससे निकलते उस तिपहियावालेको देखकर महिला 'पहचान' गई कि ये कलवाला ही तिपहियावाला था।

अगले दिवस महिलाको अपनी सखीके घर जाना था।

वह मार्गके किनारे खडी होकर तिपहियाकी प्रतीक्षा करने लगी।

तभी एक तिपहिया आकर रुका और उसने पूछा, "कहां जाएंगी 'मैडम' ?"

महिलाने देखा ये वही तिपहियावाला है जो कई बार इधरसे निकलते हुए उससे पूछता रहता है चलनेके लिए।

महिलाने पता बताकर पूछा, “चलोगे ?"

तिपहियावाला मुस्कुराते हुए बोला, "अवश्य चलेंगे, आ जाइए !"

तिपहियावालेके ये कहते ही महिला वाहनमें बैठ गई । तब महिलाने जिज्ञासावश उस वाहनवालेसे पूछ ही लिया, "भैया ! एक बात बताइए ?”

दो-तीन दिवस पूर्व आप मुझे माताजी कहकर चलनेके लिए पूछ रहे थे, कल बहनजी और आज ‘मैडम’, ऐसा क्यों ?"

तिपहियावाला थोडा झिझककर बोला, "जी सच बताऊं ! आप चाहे जो भी समझें; परन्तु किसीकी भी वेशभूषा हमारी सोचपर प्रभाव डालती है।

आप दो-तीन दिवस पूर्व साडीमें थीं तो एकाएक मनमें आदरके भाव जागे; क्योंकि मेरी मां सदैव साडी ही पहनती हैं; इसीलिए मुखसे स्वयं ही 'माताजी' निकल गया । कल आप 'सलवार-कुर्ती'में थीं, जो मेरी बहन भी पहनती है; इसीलिए आपके प्रति स्नेहका भाव मनमें जागा और मैंने 'बहनजी' कहकर आपको बुलाया।

आज आप पाश्चात्य परिधानमें हैं और इस वेशभूषामें 'मां' या 'बहन'के भाव तो नहीं जागते; इसीलिए अनायास मुखसे 'मैडम' सम्बोधन निकल गया।

कथासार :

हमारे परिधानका न केवल हमारे विचारोंको वरन दूसरेके भावोंको भी बहुत प्रभावित करते हैं; अत: औरोंको देखकर वेशभूषा न परिवर्तित करें; अपितु विवेक और संस्कृतिकी ओर भी ध्यान दें ! आधुनिक होना चाहिए; परन्तु अपनी संस्कृति और सभ्यताको नहीं भूलें !

घरका वैद्य

मूंगफली (भाग-८)

२१. 'मैग्नेशियम'की कमीके लिए : मूंगफलीमें पाया जानेवाला 'मैग्नेशियम' शरीरके लिए बहुत आवश्यक तत्त्व होता है । यह प्रोटीनके संश्लेषण, मांसपेशियों और हृदय-तन्त्रके सुचारू रूपसे कार्य करने, रक्तमें शर्कराकी मात्रा सन्तुलित रखने तथा रक्तचाप नियन्त्रित रखनेमें सहायक होता है । 'मैग्नेशियम' पूरे शरीरमें 'कैल्शियम' व 'पोटेशियम'की आपूर्ति सुचारू बनाये रखता है । इससे हृदयकी धडकन सामान्य रहती है।

२२. अस्थियोंके लिए उपयोगी : मूंगफलीमें उपस्थित लौहतत्त्व (Iron) और 'कैल्शियम'की प्रचुर मात्रा रक्तमें 'ऑक्सीजन'के संचारऔर 'हड्डियों'को सशक्त बनानेका कार्य करते हैं । यह आपके शरीरके विकासमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोषण सम्बन्धी सभी आवश्यकताओंको पूरा करनेमें सक्षम है। मूंगफलीमें विद्यमान 'विटामिन', खनिज और 'एंटीऑक्सीडेंट'के कारण शरीरको पर्याप्त ऊर्जा मिलती हैं।

२३. प्रजनन शक्ति बढानेके लिए सहायक : मूंगफलीका 'फोलिक एसिड' (folic acid), गर्भस्थ बच्चोंको तन्त्रिकातन्त्र सम्बन्धी गम्भीर विकार या 'न्यूरल ट्यूब'के दोषोंसे उत्पन्न होनेकी आशंका न्यून कर देता है । यदि गर्भवती महिला, गर्भावस्थाके मध्य या इससे पहले मूंगफली खाती रहती है तो यह आशंका ७०% तक कम हो जाती है।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

युवतियां बलात्कारके लिए उकसाती हैं, कांग्रेस नेता सलमान निजामीका विवादित वक्तव्य

'ट्विटर'पर प्रायः बीजेपी विरोधी 'पोस्ट' और 'फेक न्यूज' साझा करनेवाले केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीरके कांग्रेस नेता सलमान निजामीने कहा है कि 'कैपिटल हिल' विरोध-प्रदर्शनके अन्तराल भारतीय तिरंगा लहरानेवाला व्यक्ति मोदी समर्थक है, जो लोकतन्त्रकी हत्या करनेके लिए ट्रम्प समर्थकोंके साथ कन्धेसे कन्धा मिलाकर प्रदर्शनमें सहयोगी था।

'फेक न्यूज' फैलानेवाले कांग्रेस नेताको आडे हाथों लेते हुए 'ट्विटर यूजरने' निजामीद्वारा 'ट्वीट' किए गए कई पुराने 'ट्वीट्स'को ढूंढ निकाला, जिसमें उसने महिलाओंको लेकर भद्दी, कामुक और अशोभनीय टिप्पणीकी है। निजामीने महिलाओंके विरुद्ध होनेवाले हिंसक अपराधोंके बारेमें विचित्र अटकलें लगाते हुए कहा है कि महिलाएं स्वयं ही अपने साथ हो रहे अपराधोंके लिए उत्तरदायी हैं । इसके अतिरिक्त एक अन्य 'ट्वीट'में निजामीने कहा कि महिलाएं अपनी बाहरी रूप-रङ्गसे यौन उत्पीडनके लिए पुरुषोंको उकसाती हैं । यौन

आकर्षण प्राथमिक कारण है कि एक बलात्कारी किसी पीडिताका चयन करता है।

निजामीको कांग्रेस नेता राहुल गांधीका निकट सहयोगी माना जाता है। ब्योरेके अनुसार, २०१४ में उन्हें राहुलके संकेतपर जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समितिके संयुक्त सचिवके रूपमें नियुक्त किया गया था।

ऐसे आतङ्की मानसिकताके लोग कांग्रेस व राहुल गांधीके घनिष्ट हों, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए; क्योंकि कांग्रेस स्वयं इस संस्कृतिको लेकर आगे बढ रही है। अब आवश्यक है कि ऐसे लोग व दल भारतसे समाप्त हों !

****

'एमनेस्टी इंडिया'के पूर्व प्रमुखने फैलाई घृणा, उच्चतम न्यायालयको बताया नपुंसक, लिखे अपशब्द

'एमनेस्टी'के मानवाधिकार कार्यकर्ता और भूतपूर्व मुखिया आकार पटेलने उच्चतम न्यायालयका अपमान किया है। आकर पटेलने घृणात्मक 'ट्वीट'द्वारा न्यायाधीशोंकी तुलना नपुंसकोंसे की है। उसने कहा कि जब न्यायपालिका स्वयं सङ्कटमें है तो न्यायाधीश पुरुषकी भांति खडे नहीं हो पाए। उसने कहा कि कार्यपालिकासे अधिक अधिकार उच्चतम न्यायालयके पास हैं, तो भी वे प्रधानमन्त्री मोदीसे डरे हुए हैं और कायर हैं। इसके लिए हमें न्यायालयके आगे घुटने टेकने पडते हैं, जैसे यह 'डेल्फी'की (युनानके देवताकी) कोई आकाशवाणी हो। उसने बार-बार 'ट्वीट'कर, देशके सर्वोच्च न्यायालयको 'हिन्दूराष्ट्रका सुप्रीम कोर्ट' बताया। उपभोक्ताओंद्वारा विरोध करनेपर, उसने क्षमा मांगनेके पश्चात नपुंसक शब्द हटाकर, उसे अन्य अपशब्द लिखकर पुनः

'ट्वीट' किया।

आकार पटेलने पूर्व न्यायाधीश श्री. गोगोईपर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने पदका दुरुपयोगकर, प्रतिफलमें सांसद बनकर, राज्यसभामें पद ग्रहण किया है। रंजन गोगोईपर सहस्रों लोगोंको असममें प्रताडित करनेका भी उसने आरोप लगाया।

पटेलने देशके सर्वोच्च न्यायालयको 'हिन्दूराष्ट्रका न्यायालय' सम्बोधित करते हुए, न्यायाधीशोंके लिए अपशब्द लिखकर घृणा फैलाई।

आकार पटेल स्वयं ही मुसलमानों और हिन्दुओंके मध्य घृणा उत्पन्न करने और हिंसा भडकानेका कार्य करता रहा है। देशके सर्वोच्च न्यायालयको अपशब्द कहकर अपमान करना एक साधारण नागरिकके लिए, अपना अधम चरित्र दर्शाना है, जिससे और लोग भी ऐसा करने लगेंगे। ऐसे मानवाधिकारी कार्यकर्ता कठोरतम दण्डके पात्र हैं। (०८.०१.२०२१)

****

कश्मीर प्रकरणपर चीनके विरुद्ध फ्रांसने किया भारतका समर्थन

फ्रांसीसी राष्ट्रपतिके परामर्शदाता इमेनुएल बोनने गुरुवार, ७ जनवरीको कहा कि फ्रांसने कश्मीर प्रकरणपर भारतका समर्थन करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषदमें चीनको कोई प्रक्रियागत खेल खेलनेकी अनुमति नहीं दी।

'मीडिया' सूचनाके अनुसार, फ्रांस और भारतके मध्य रणनीतिक वार्षिक संवादके लिए भारत भ्रमणपर आए फ्रांसके राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोंके कूटनीतिक परामर्शदाता इमैनुएल

बोनने कहा, “चीन जब नियम तोडता है, तो हमें सशक्त और स्पष्ट होना होगा । हिन्द महासागरमें हमारी नौसेनाकी उपस्थिति यही सन्देश है ।” उन्होंने यह भी कहा, “जो हम जनतामें कहते हैं, उसे चीनको निजी रूपसे भी कह सकते हैं, इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है ।”

सूचना अनुसार, 'विवेकानन्द इंटरनेशनल फाउंडेशन'द्वारा आयोजित 'फ्रांस और भारत: स्थिर और समृद्ध हिन्द-प्रशान्तके साझेदार’ विषयपर अपने सम्बोधनमें बोनने कहा कि फ्रांस ‘क्वाड’के - (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारतका समूह) निकट है और भविष्यमें उनके साथ कुछ नौसैनिक अभ्यास भी कर सकता है । इसके अतिरिक्त दिवसमें उन्होंने भारतीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवलसे भी सुरक्षा सहित कई द्विपक्षीय सम्बन्धोंमें वार्ता की ।

फ्रांसीसी नौसेनाके ताइवान जलडमरूमध्यमें गश्त करनेवाली एक मात्र यूरोपीय नौसेना होनेकी बात करते हुए उन्होंने कहा, “यह भडकानेके रूपमें नहीं, वरन अन्तरराष्ट्रीय नियमोंका पालन करने की आवश्यकतापर बल डालनेके लिए है । हमें टकरावकी ओर नहीं बढना है ।

भारत व उसके सभी मित्र देशोंको अब मिलकर कुटिल चीनसे सतर्क रहते हुए अपने अपने सभी सम्बन्ध समाप्त करने होंगे और उसपर आर्थिक रूपसे चोटकर उसकी रीढपर प्रहार करना होगा ।

आंध्र प्रदेशमें मन्दिरोंपर आक्रमणोंकी जांचके लिए 'एसआईटी', मुख्यमन्त्री जगन रेड्डीने ९ मन्दिरोंकी रखी आधारशिला, ८ का भूमिपूजन

आंध्र प्रदेशमें मन्दिरोंपर हुए आक्रमणोंकी जांच हेतु मुख्यमन्त्री जगन रेड्डी शासनने १६ सदस्यीय जांच समिति (एसआईटी) गठित की है, जिसमें 'एसीबी' विजयवाडाके अतिरिक्त निदेशक अशोक कुमारको इसका मुखिया बनाया गया है। 'एसआईटी' अपनी 'रिपोर्ट' सीधे मुख्यमन्त्रीको प्रस्तुत करेगी । इसमें १ पुलिस अधीक्षक, २ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, २ उप पुलिस अधीक्षक, २ सहायक पुलिस अधीक्षक, ४ 'सर्कल इंस्पेक्टर', ४ उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) सम्मिलित किए गए हैं। 'एफएसएल'के निदेशकको सूचित किया गया है कि 'फॉरेंसिक' सहयोग आवश्यक होनेपर 'एसआईटी'के साथ मिलकर कार्य करें ! विजयवाडा और विशाखापट्टनमके 'सीआईडी'के 'साइबर सेल'के 'पीएस'को भी इन्हें आवश्यक सहयोग देनेके निर्देश दिए गए हैं। न्यायालयके अवलोकनमें यह समिति अपनी 'रिपोर्ट' बनाएगी। यह आदेश राज्य शासनने ८ जनवरी २०२१ को दिया है। आंध्र प्रदेश 'असोसिएशन'ने उन आरोपोंकी निन्दा की है, जिनमें पुलिस अधिकारियोंपर हिन्दुओंके साथ पक्षपातके आरोप लगाए गए हैं।

इन्हीं दिनों मुख्यमन्त्री जगनने ९ मन्दिरोंके निर्माणकी आधारशिलाएं रखी हैं, जिन्हें ४ वर्षोंमें निर्मित किया जाना है। इनमें आंजनेय स्वामी, राहु-केतु, सीतम्मावरी और वेणुगोपाल मन्दिर सम्मिलित हैं। इनके निर्माणपर ३.७९ कोटि रुपयोंका व्यय होगा । जगन रेड्डीने दुर्गा मन्दिरमें भी ८ मन्दिरोंका

भूमिपूजन किया जिनपर ७७ कोटि रुपयोंका व्यय अपेक्षित है।

उल्लेखनीय है कि ३ जनवरी २०२१ को विजयवाडाके सीताराम मन्दिरमें देवी सीताजीकी ४० वर्ष पुरातन प्रतिमा खण्डित पाई गई थी । इससे पूर्व आंध्र प्रदेशके विभिन्न मन्दिरोंमें भगवान गणेश, श्रीराम, श्रीवेंकटेश और श्रीसुब्रमण्यम स्वामीकी मूर्तियां खण्डित की गई थीं। राज्यकी भाजपा और 'टीडीपी' सतत राज्य शासनपर आक्रामक है। उनका मत है कि अबतक १५० से अधिक देवालयोंपर आक्रमण हो चुके हैं।

रेड्डी शासन यदि कुछ हिन्दुओंके लिए कार्य कर रहा है, तो वह भी हिन्दुओंके विनाशके लिए ही कर रहा है, हिन्दुओंको यह समझ जाना चाहिए और इन हिन्दूद्रोहियोंको सत्ताहीन करना चाहिए। (०९.०१.२०२१)

****

दण्ड न्यूनकर मुक्त कर दिया गया अबू बशीरको, २०० लोगोंको उडानेवाले बम धमाकेका था सूत्रधार

इण्डोनेशियाने शुक्रवार, ८ जनवरीको आतङ्की अबू बक्र बशीरको कारावाससे मुक्त कर दिया। वर्ष २००२ में इण्डोनेशियाके बालीमें 'नाइट क्लब'में हुए धमाकेका वह सूत्रधार था। दो दशक पूर्व हुए उस आक्रमणमें कई विदेशियों सहित २०० लोगोंकी मृत्यु हो गई थी।

इण्डोनेशियाई शासनका कहना है कि ८२ वर्षके अबूका दण्ड पूरा हो गया है; इसलिए उसे मुक्त किया गया है । इस्लामिक आतङ्कवादी नेटवर्क 'जेमाह इस्लामिया'के सबसे कट्टर लोगोंमें अबु बकर बशीरका नाम गिना जाता रहा है। कथित रूपसे उसके सम्बन्ध 'अलकायदा'से भी है। स्वयंको

अध्यापक बतानेवाला कट्टरपन्थी प्रचारक सारे आरोपोंको अनुचित बताता रहा है।

शुक्रवारको जकार्ताकी गुनुंग सिंदूर कारावाससे उसे वाहनमें बैठाकर मुक्त किया गया। हो सकता है कि उसे सीधे उसके गृहनगर सोलो भेजा जाए, जहां वह पुनः 'इस्लामी शिक्षा' देना प्रारम्भ करे। उसे वर्ष २०११ में प्रकरणकी सुनवाईके मध्य १५ वर्षका कारावासका दण्ड हुआ था ; परन्तु वर्तमानमें अधिकांश बन्दियोंके दण्डमें कटौतीके पश्चात उसका दण्ड भी कम कर दिया गया और उसे मुक्त कर दिया गया।

दो वर्ष पूर्व भी मानवीय आधारपर बशीरको छोडनेकी मांग उठाई गई थी; परन्तु उस समय ऑस्ट्रेलियामें हडकम्प मच गया और उसको छोडनेकी मांग टाल दी गई। बता दें कि जिस आक्रमणमें बशीर आरोपी पाया गया था, उसमें ऑस्ट्रेलियाके ८८ लोगोंकी मृत्यु हो गई थी। आक्रमणसे बचे लोग आज भी बशीरको मुक्त करनेका विरोध कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाके प्रधानमन्त्रीने उसके छोडनेपर असन्तुष्टि प्रकट की है।

बशीरद्वारा कराए आक्रमणमें मारे गए लोगोंके परिजन इण्डोनेशियाके 'क्लब'में हुए आक्रमणको नहीं भुला पाए हैं। उनके घावका उपचार आजतक चल रहा है। सभी पीडित चाहते हैं कि किसी प्रकारसे उन्हें न्याय मिल जाए।

एक बार कोई देश इस्लामके अनुसार चलने लगे तो आतङ्क वहां दोष नहीं, वरन उनका 'धर्म' बन जाता है। उसके पश्चात उस स्थानका सर्वनाशकर, धर्मस्थापना करना ही एकमात्र उपाय शेष रह जाता है। आनेवाले समयमें ऐसे देशोंकी यही गति होगी। साथ ही भारतके

हिन्दू आज भी सचेत नहीं हुए तो यह स्थिति भारतमें भी उत्पन्न हो सकती है।

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. शिष्यके गुण, ११ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, १५ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नामजप कब, कहां और कितना करें ? १९ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. योगनिद्रा २५ जनवरी रात्रि ७.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम

दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915